योग, संगीत और पिता के सम्मान का संगम, प्रदेश ने मनाया 'सुपर संडे'

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः रविवार का दिन इस बार सिर्फ एक अवकाश नहीं, बल्कि उत्सवों के अनूठे संगम का साक्षी बना। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, फादर्स-डे और विश्व संगीत दिवस एक ही दिन पड़ने से प्रदेशभर में स्वास्थ्य, संवेदना और संस्कृति का अनोखा मेल देखने को मिला। कहीं हजारों लोगों ने सामूहिक योग कर स्वस्थ जीवन का संकल्प लिया तो कहीं पिता के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने के कार्यक्रम आयोजित हुए। संगीत प्रेमियों ने भी सुरों और धुनों के जरिए इस खास दिन को यादगार बनाया।

राजधानी भोपाल समेत प्रदेश के विभिन्न शहरों में योग दिवस के अवसर पर बड़े पैमाने पर कार्यक्रम हुए। टीटी नगर स्टेडियम और बोट क्लब में आयोजित आयोजनों में जनप्रतिनिधियों, खिलाड़ियों, युवाओं और आम नागरिकों ने भाग लिया। योग प्रशिक्षकों का कहना है कि अब योग केवल एक दिवस का आयोजन नहीं, बल्कि लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बनता जा रहा है। शहर के कई पार्कों और सार्वजनिक स्थलों पर वर्षभर निःशुल्क योग प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे युवाओं और महिलाओं की भागीदारी भी बढ़ी है। फादर्स-डे के अवसर पर लोगों ने अपने पिता के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त किया। सोशल मीडिया से लेकर पारिवारिक आयोजनों तक पिता के योगदान और मार्गदर्शन को याद किया गया। कई युवा कलाकारों और पेशेवरों ने अपनी सफलता का श्रेय पिता से मिले संस्कारों और प्रोत्साहन को दिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योगाभ्यास

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौरः अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर श्री मेंढ क्षत्रिय स्वर्णकार जयपुर साख समाज धर्मशाला, मोहनपुरा में सामूहिक योग अभ्यास कार्यक्रम उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजन, मातृशक्ति एवं युवाओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर योग के प्रति अपनी जागरूकता और प्रतिबद्धता का परिचय दिया। कार्यक्रम में वरिष्ठ योग प्रशिक्षक सुश्री रौनक सोनी ने उपस्थित लोगों को कॉमन योग प्रोटोकॉल के अंतर्गत विभिन्न योगासनों एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास से व्यक्ति शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ रहता है तथा जीवन में संतुलन और सकारात्मकता का विकास होता है। इस अवसर पर चोइथराम कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज़, इंदौर के योग विभाग की छात्राओं शिखा जैन, प्रतिभा काबरा, स्वीटी महाजन एवं ऋतु भंसाली ने आकर्षक योगासन प्रदर्शन प्रस्तुत किया, जिसकी उपस्थित जनसमुदाय ने सराहना की। कार्यक्रम की संयोजक एवं तेजस योग केंद्र की संचालक श्रीमती सुनीता कौशल रहीं। उनके नेतृत्व और समर्पण से आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को योगिक आहार वितरित किया गया तथा स्वस्थ, निरोग और योगमय जीवन जीने का संकल्प दिलाया गया। 'करे योग, रहे निरोग' के संदेश के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

राष्ट्रपति मुर्मु ने युवाओं से किया जनजातीय समाज के विकास में योगदान का आह्वान

नईदुनिया प्रतिनिधि, जबलपुर : राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने वाले संस्थान नहीं, बल्कि नवाचार, अनुसंधान और सामाजिक परिवर्तन के केंद्र होते हैं। विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, परंपरा और भाषाओं के प्रति सम्मान विकसित करना भी शिक्षण संस्थानों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। वे रविवार को रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के 36वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं।

राष्ट्रपति ने कहा कि जनजातीय समाज, वंचित वर्गों और विशेष रूप से बेटियों के सशक्तिकरण में शिक्षित युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने युवाओं से अपने गांवों और समुदायों तक पहुंचकर लोगों को शासन की योजनाओं की जानकारी देने तथा उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचे।

समारोह में राष्ट्रपति ने विभिन्न संकायों के मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और उपाधियां प्रदान कीं। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा, नवाचार और शोध को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की। साथ ही यह भी कहा कि स्वर्ण पदक प्राप्त करने वालों में छात्राओं की संख्या अधिक होना महिला सशक्तिकरण का सकारात्मक संकेत है।

राज्यपाल एवं कुलाधिपति मंगुभाई पटेल ने विद्यार्थियों से अपनी डिग्री को राष्ट्र निर्माण और समाज सेवा का माध्यम बनाने का आह्वान किया।

वहीं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय केवल एक शैक्षणिक संस्थान नहीं, बल्कि वीरांगना रानी दुर्गावती के साहस, स्वाभिमान और बलिदान की गौरवशाली विरासत का प्रतीक है।

समारोह में 141 विद्यार्थियों को 240 स्वर्ण पदक तथा 182 शोधार्थियों को पीएचडी सहित विभिन्न उपाधियां प्रदान की गईं।

राष्ट्रपति ने किया चीता कमांड कंट्रोल का भ्रमण

भोपाल। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कूनो नेशनल उद्यान के दो दिवसीय प्रवास के दौरान रविवार को चीता कमांड एवं कंट्रोल सेंटर का अवलोकन किया। चीता कमांड एवं कण्ट्रोल सेंटर के अवलोकन के दौरान राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु को चीतों कि निगरानी और ट्रैकिंग की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी प्रदान की गयी। राष्ट्रपति ने चीता कमांड एवं कंट्रोल सेंटर परिसर में चीता प्रोजेक्ट की अभी तक की प्रगति पर लगाई गई प्रदर्शिनी का अवलोकन किया। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु को अवगत कराया गया कि वर्तमान में भारत में चीतों की संख्या 52 है, जिनमें से 49 चीते कूनो में मौजूद है, तीन चीते गाँधी सागर अभयारण्य मंदसौर भेजे गए है। उन्होंने चीतों के लिए की गई आवश्यक सुविधाओं के विषय में जानकारी ली गई।

री-नीट में सख्ती ऐसी कि कलावा कटा, जूते उतरे और गेट पर छूट गई परीक्षा

मात्र 30 सेकंड की देरी और टूट गया डॉक्टर बनने का सपना

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मेडिकल कॉलेज में प्रवेश का सपना लेकर रविवार को हजारों छात्र-छात्राएं नीट-यूजी री-एग्जाम देने परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे। किसी के साथ माता-पिता थे, किसी के साथ वर्षों की मेहनत और उम्मीदें। लेकिन कई अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा शुरू होने से पहले ही सब कुछ खत्म हो गया। कहीं 30 सेकंड की देरी ने परीक्षा छीन ली तो कहीं गलत केंद्र पहुंचने की भूल ने पूरे साल की मेहनत पर पानी फेर दिया। परीक्षा केंद्रों के बाहर रोते, गिड़गिड़ाते छात्र और अधिकारियों से राहत की गुहार लगाते परिजन दिनभर चर्चा का विषय बने रहे। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने इस बार री-एग्जाम को लेकर सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए थे। दोपहर 1:30 बजे गेट बंद होते ही नियमों का ऐसा पहरा लगा कि कुछ सेकंड की देरी भी किसी के लिए माफ नहीं हुई। भोपाल, छतरपुर और अन्य शहरों में ऐसे कई अभ्यर्थी सामने आए जो केंद्र तक पहुंच तो गए, लेकिन प्रवेश द्वार उनके लिए बंद हो चुका था।

केंद्रों के बाहर भावुक दृश्य

- **भोपाल के कई परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थी और उनके परिजन अधिकारियों के सामने मिन्नतें करते रहे।**
- **कुछ छात्र महज 30 से 40 सेकंड की देरी से पहुंचे थे।**
- **परिजनों ने मानसिक तनाव और लंबी तैयारी का हवाला देकर कुछ मिनट की राहत की मांग की, लेकिन नियमों का हवाला देकर प्रवेश नहीं दिया गया।**

हाईटेक निगरानी में परीक्षा

- **परीक्षा सामग्री ले जाने वाले वाहनों में जीपीएस ट्रैकिंग की व्यवस्था रही।**
- **कई स्थानों पर सीआरपीएफ एस्कॉर्ट तैनात रहा।**
- **परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी निगरानी और बायोमेट्रिक सत्यापन किया गया।**
- **रेलवे स्टेशनों पर हेल्प डेस्क बनाकर छात्रों को परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने में सहायता दी गई।**

व्यवस्था की सख्ती के बीच संवेदनशीलता की भी मिसाल

इंदौर के एक केंद्र पर पहचान पत्र भूलने वाली छात्रा घबराकर रोने लगी। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारी ने तत्परता दिखाते हुए परिजनों से संपर्क कराया और दस्तावेज का सत्यापन करवाकर छात्रा को परीक्षा में शामिल होने का अवसर दिलाया। हालांकि भोपाल के एक केंद्र पर इसी तरह का मामला सामने आने पर डिजिटल दस्तावेज स्वीकार नहीं किए गए।

बड़ा सवाल

नीट जैसी राष्ट्रीय परीक्षा में पारदर्शिता और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसमें दो राय नहीं हो सकती। लेकिन हर साल ऐसे दृश्य सामने आते हैं, जहां कुछ सेकंड की देरी या छोटी तकनीकी चूक किसी अभ्यर्थी का पूरा साल प्रभावित कर देती है। सवाल यह है कि क्या परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखते हुए मानवीय परिस्थितियों के लिए कोई सीमित और पारदर्शी व्यवस्था विकसित की जा सकती है, या फिर नियमों की कठोरता ही अंतिम सत्य बनी रहेगी।

वेयरहाउस निरीक्षण पर सियासत गरमाई

नियम टूटते हों तो खाली करा लें गोदाम : पटवारी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः *मध्यप्रदेश में वेयरहाउसों के निरीक्षण को लेकर राजनीति एक बार फिर गरमा गई है। वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष संजय नगायच द्वारा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के वेयरहाउसों का औचक निरीक्षण किए जाने के बाद मामला प्रशासनिक कार्रवाई से निकलकर सीधे राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक पहुंच गया है। निरीक्षण में कथित अनियमितताओं का दावा किया गया तो जवाब में पटवारी ने सरकार पर राजनीतिक द्वेष से कार्रवाई करने का आरोप लगाया। सांवेर क्षेत्र के पालिया गांव स्थित पटवारी से जुड़े वेयरहाउसों के निरीक्षण के दौरान कॉर्पोरेशन अध्यक्ष ने फायर सेफ्टी समेत कई व्यवस्थाओं में कमी होने का दावा किया। उनका कहना था कि सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है और आग से बचाव के लिए जरूरी इंतजाम भी पर्याप्त नहीं मिले। इसके बाद अधिकारियों को नियमों के उल्लंघन के संबंध में नोटिस जारी करने और आगे की कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।*

किसानों ने रोका शिवराज का काफिला, नीमच में विरोध से घिरे विधायक

किसी भी गरीब का हक़ नहीं मारा जायेगा : केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल/सीहोर : प्रदेश में किसानों की समस्याओं और स्थानीय मुद्दों को लेकर जनता की नाराजगी अब जनप्रतिनिधियों के कार्यक्रमों तक पहुंचने लगी है। रविवार को सीहोर में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का काफिला किसानों और कांग्रेस नेताओं ने रोक लिया, जबकि नीमच जिले में जावद विधायक ओमप्रकाश सकलेचा को विरोध का सामना करते हुए कार्यक्रम बीच में ही छोड़ना पड़ा। दोनों घटनाओं ने स्थानीय स्तर पर जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के प्रति बढ़ती असंतुष्टि को उजागर किया। सीहोर के इछावर में जनकल्याण शिविर में शामिल होने जा रहे केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को रास्ते में किसानों और कांग्रेस नेताओं ने रोककर कृषि संबंधी समस्याओं से अवगत कराया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि खाद वितरण और डिजिटल पोर्टल की तकनीकी खामियों के कारण किसान पिछले कई दिनों से परेशान हैं। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने मंत्री को ज्ञापन भी सौंपा। बातचीत के दौरान जब कांग्रेस नेताओं ने कहा कि वे भले विपक्ष से हों, लेकिन शिवराज उनके भी प्रतिनिधि हैं, तो केंद्रीय मंत्री ने जवाब दिया कि जनप्रतिनिधि होने के नाते वे सभी के प्रतिनिधि हैं। बाद में जनकल्याण शिविर में शिवराज ने अधिकारियों को भी नसीहत दी। उन्होंने कहा कि कुछ अधिकारी जनता के कामों को टालने या रोकने की प्रवृत्ति से बाहर आएं और सकारात्मक सोच के साथ काम करें। पात्र हितग्राहियों के नाम योजनाओं से काटे जाने की शिकायतों पर भी उन्होंने नाराजगी जताई। उधर, नीमच जिले में एक कार्यक्रम के दौरान जावद विधायक ओमप्रकाश सकलेचा को स्थानीय लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा।

सत्ता के गलियारे...

• डॉ. शिशिर उपाध्याय

• मुगालता हुआ दूर...

साहब को पूरा भरोसा था कि दरबार में उनकी एंट्री बिना दस्तक के होती है और फरमाइशें बिना फाइल के मंजूर। सो पूरी शान से अपनी बात रख दी। जवाब में साफ़ 'ना' मिली तो चेहरे पर ज्यादा फर्क नहीं पड़ा। लेकिन अगले ही पल वही मांग किसी और के लिए मंजूर होते देख नजदीकियों का सारा नशा कपूर की तरह उड़ गया। पता चल गया कि दरबार में पहचान और प्राथमिकता, दोनों अलग-अलग चीजें होती हैं।

• बड़े बेआबरू होकर तेरे कूचे से हम निकले...

तबादलों के मौसम में साहब भी अपने पसंदीदा मोहरे को सही जगह फिट कराने की उम्मीद लेकर सबसे ऊंचे दरबार तक पहुंच गए। लौटे तो खाली हाथ ही नहीं, बल्कि उतरे हुए चेहरे के साथ। जो लोग बाहर तक उन्हें बधाई देने की तैयारी कर रहे थे, उन्होंने भी नजरें फेर लीं। अब साहब गुनगुना रहे हैं कि उम्मीदें जितनी ऊंची हों, गिरावट भी उतनी ही जोरदार होती है।

• समझ नहीं आ रहा आभार किसका करें...

बरसों तक हर चौखट पर दस्तक देने के बाद आखिरकार किस्मत मेहरबान हुई और कुर्सी मिल गई। अब मुश्किल यह नहीं कि पद कैसे संभालें, बल्कि यह है कि धन्यवाद किसे दें। हर मिलने वाला खुद को असली सूत्रधार बता रहा है। साहब भी किसी को नाराज करने का जोखिम नहीं उठा रहे। इसलिए इन दिनों उनका धन्यवाद अभियान पूरे शबाब पर है।

• पद गया तो फिर लौटे पुरानी राह पर...

कुर्सी मिलते ही साहब की दुनिया बदल गई। पुराने साथी पुराने हो गए और नए चेहरों ने चारों ओर घेरा बना लिया। संघर्ष के दिनों की यादें भी फाइलों की तरह बंद हो गईं। लेकिन कुर्सी गई तो नए साथी भी हवा हो गए।

अब साहब फिर उन्हीं पुरानी गलियों का रास्ता तलाश रहे हैं, जहां कभी बिना बुलाए चाय मिल जाती थी। आखिर राजनीति में स्थायी अगर कुछ है तो वह परिस्थितियों का बदलना ही है।

• कहीं उपेक्षा भारी न पड़ जाए...

निगम-मंडल आयोगों की सूची आई तो कुछ जिलों के जनप्रतिनिधियों के चेहरे भी उतर गए। चर्चा यह है कि पूरी ताकत झोंककर सीटें जितवाईं, लेकिन इनाम की बारी आई तो नाम तक याद नहीं रखा गया। अब जब पुराने साथी मिलते हैं तो विकास की नहीं, उपेक्षा की चर्चा ज्यादा होती है। सवाल वही है कि आखिर यह भूल थी या कोई बड़ा संदेश?

• विभाग हमारा, लेकिन चलेगी उनकी...

साहब ने सोचा कि विभाग की कमान हाथ में आते ही आदेशों की बारिश होगी। फाइलों पर लिखते गए और मंजूरी की उम्मीद करते रहे। लेकिन जब एक भी आदेश जमीन पर नहीं उतरा तो कारण जानने की उत्सुकता बढ़ी। आखिरकार एक अनुभवी कर्मचारी ने मुस्कुराते हुए राज खोल दिया— 'साहब, विभाग आपका जरूर है, लेकिन स्टीयरिंग अभी भी किसी और के हाथ में है। आप फिलहाल सिर्फ ड्राइविंग सीट पर बैठे नजर आ रहे हैं। '

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1,भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादकः डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादकः अपूर्व तिवारी। * फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, www.naiduniaonline.com